नोम पेन्ह की जल-कथा

शहरी जल उपयोग का अनूठा कायाकल्प

असित के. बिस्वास
पवन के. सचदेवा
सिसिलिया तोर्ज्जदा

अनुवाद
युगल जोशी

श्री असित के. बिस्वास पानी, पर्यावरण और विकास सम्बन्धी मामलों के विश्वविख्यात विशेषज्ञ हैं। स्टॉकहोम वर्ल्ड वाटर पुरस्कार से सम्मानित श्री बिस्वास जल प्रबन्धन पर 88 से अधिक पुस्तकों के लेखक हैं। सम्प्रति ग्लास्गो विश्वविद्यालय में विशिष्ट अतिथि प्रोफेसर हैं।

आई.आई.टी. खड़गपुर में एडजंक्ट प्रोफेसर रहे पवन के. सचदेवा वर्तमान में वाटर मैनेजमेण्ट इण्टरनेशनल प्राइवेट लिमिटेड में कार्यरत हैं। इन्होंने विश्व के कई जल संस्थानों के प्रबन्धन पर अध्ययन किया है।

डॉ. सिसिलिया तोर्त्जदा ग्लास्गो विश्वविद्यालय में पर्यावरण नवाचार की प्रोफेसर हैं। अनेक अन्तरराष्ट्रीय संस्थानों की सलाहकार रह चुकीं सिसीलिया ने जल प्रबन्धन पर 30 से अधिक पुस्तकें लिखी अथवा सम्पादित की हैं।

युगल जोशी पाँच वर्षों से अधिक समय तक स्वच्छ भारत अभियान और जल जीवन मिशन के निदेशक रहे हैं। इनकी जल प्रबन्धन, पर्यावरण, इतिहास और मिथकों पर लिखी पाँच पुस्तकें प्रकाशित हो चुकी हैं। जिनमें से सिंगापुर वाटर स्टोरी (असित और सिसीलिया के साथ) हिन्दी, चीनी, जापानी तथा मंगोलियन भाषा में भी अनूदित हुई है।

सेतु प्रकाशन
www.setuprakashan.com

पर्यावरण / समाज विज्ञान

₹449

9 789392 228650

पेपरबैक